सतत् पशुधन उत्पादन प्रणाली द्वारा मध्यप्रदेश (जबलपुर संभाग) के आदिवासी जन समुदाय का सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान – डॉ. जुयाल

नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर के अंतर्गत संचालित जनजातीय उप–योजना, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन विस्तार शिक्षा विभाग, जबलपुर द्वारा दिनांक 07.02.2019 गुरूवार को प्रात 12:00 बजे ग्राम सहजर, विकासखण्ड (विकासखण्ड) घुघरी, जिला मण्डला पर एक दिवसीय पशु उपचार व प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण शिविर में लगभग 46 पशुपालकों ने इस योजना का लाभ लिया, इसके अन्तर्गत उन्हें विभिन्न बीमारियों व उनकी रोकथाम, पशुओं का रखरखाव व आहार सम्बन्धित जानकारी दी गई। पशु उपचार शिविर में लगभग 97 गाय, 51 भैंस, 19 बकरी व 210 मुर्गियों का उपचार किया गया, जिनमें 120 टीकाकरण, 04 बधियाकरण, 10 रक्त जाँच परिक्षण व 25 का गोबर परीक्षण भी किया गया। इसके साथ ही शिविर में 03 पशुओं का गर्भधारण परीक्षण भी किया गया एवं आवश्यक पशुपालकों को निशुल्क खनिज मिश्रण भी प्रदान किया गया। इस प्रकार शिविर में लगभग 377 पशुओं को अपने ही क्षेत्र में परीक्षण एवं उपचार की सुविधा दी गई। शिविर को सफल बनाने में डॉ. आर. एम. भुर्मु डे, पशुचिकित्सा विस्तार अधिकारी, व डॉ. शशि तेकाम (पशुचिकित्सा सहायक शल्यज्ञ) विकासखण्ड–घुघरी, जिला मण्डला का योगदान रहा व साथ ही डॉ. अरूण मौर्य, डॉ. सुमन कुमार, डॉ. हरि आर, डॉ. रश्मि विश्वकर्मा, स्नातकोत्तर और स्नातक छात्र–छात्राओं का भी सराहनीय योगदान रहा।